PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 3

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा** (50) बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. This is called the Ārṣaprākruta –
यह आर्ष प्राकृत मानी जाती है –
(A) शौरसेनी (B) अर्धमागधी
(C) महाराष्ट्री (D) पैशाची

2. The period of Middle Indo Aryan language is –
मध्य भारतीय आर्य भाषाओं का यह काल माना जाता है –
(A) ई. पू. 400 से 200 ई.पू.
(B) ई. सन् 300 से 600
(C) ई.पू. 600 से ई. सन् 1000
(D) ईस्वीसन् 200 से ई.सन् 800

3. This form has been used for 'Ākṛuti' word in Ardhamāgadhi Prakrit :
अर्धमागधी प्राकृत में 'आकृति' पद का यह रूप प्रयुक्त है –
(A) आगदि (B) आअइ
(C) आगति (D) आगइ

4. 'Kṛ root' changes into this form of verb in the texts of Śauraseni Prakrit :
'कृ धातु' शौरसेनी प्राकृत ग्रन्थों में इस क्रिया रूप में प्रयुक्त होती है –
(A) कुब्बदि (B) करइ
(C) करोति (D) कुणइ

5. Initial 'a' of these words in Mahāraṣtri Prakrit becomes long, optionally :
महाराष्ट्री प्राकृत में इन शब्दों के आदि 'अकार' को विकल्प से दीर्घ होता है –
(A) स्पर्श: - वक्रम्
(B) पतिगृहम् - नदीस्रोतम्
(C) समृद्धि: - प्रकटम्
(D) अन्तर्वेदि - सप्तविंशति:

6. The word Darśanaṁ will be changed in this form in Apabhraṁśa :
अपभ्रंश में 'दर्शनं' शब्द इस रूप में प्रयुक्त होगा –
(A) दंसणु (B) दंसणे
(C) दंसणो (D) दसणा

7. 'यश्रुति' is the main characteristic of this Prakrit :
'यश्रुति' इस प्राकृत की प्रमुख विशेषता है –
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री
(C) पैशाची (D) मागधी

8. In the development of Prakrit Languages Apabhraṁśa is known as Prakrit of this age :
प्राकृत भाषाओं के विकासक्रम में अपभ्रंश इस युग की प्राकृत है –
(A) तृतीय युग (B) चतुर्थ युग
(C) प्रथम वर्ग (D) द्वितीय युग

9. The word Suṣṭhukṛtaṁ changes into Śusṭukadaṁ in this Prakrit :

'सुष्ठुकृतम्' पद इस प्राकृत में शुस्टुकदं हो जाता है –

(A) महाराष्ट्री (B) अपभ्रंश

(C) मागधी (D) पैशाची

10. The main feature of nouns in Apabhraṁśa is :

अपभ्रंश के संज्ञा शब्दों की प्रमुख विशेषता है –

(A) ओकार बहुला

(B) आकार बहुला

(C) एकार बहुला

(D) उकार बहुला

11. Read the Unit-I and Unit-II for the correct match :

प्रथम और द्वितीय समूह को सही मिलान के लिए पढ़िए –

सूची - I	**सूची - II**
(a) उपासक दशा	(i) महावीर
(b) ज्ञाताधर्म कथा	(ii) नमिपवज्जा
(c) आचारांग	(iii) थावच्चापुत्त
(d) उत्तराध्ययन	(iv) आनंद

Identify the correct match :

सही मिलान की पहचान कीजिए :

(A) (d) + (i)

(B) (b) + (iii)

(C) (c) + (iv)

(D) (a) + (ii)

12. The other name of Kasāyapāhuḍa is :

कसायपाहुड का अन्य नाम है –

(A) जीवट्ठाण

(B) मोक्खधम्म

(C) पेज्जदोसपाहुड

(D) गणिपवज्जा

13. The other name of 'Viyāhapaṇṇatti' is –

वियाहपण्णत्ति का दूसरा नाम यह है –

(A) भगवती सूत्र

(B) पण्णवणा

(C) तीर्थोद्गालिक

(D) भगवती आराधना

14. This is not an 'Upāṅga' text –

यह उपांग ग्रन्थ नहीं है –

(A) जीवाभिगम

(B) प्रश्नव्याकरण

(C) सूरियपण्णत्ति

(D) जंबुदीवपण्णत्ति

15. The Author of Kathākaṣaprakarana is :

कथाकोषप्रकरण का लेखक यह है –

(A) अभयसिंह

(B) अमरसिंह

(C) नागकुमार

(D) जिनेश्वरसूरि

16. The work of Somaprabha Sūri is :

सोमप्रभसूरि की रचना है –

(A) कुमारपालप्रतिबोध

(B) पंचलिङ्गीप्रकरण

(C) नम्मयासुन्दरीकहा

(D) नाणपंचमीकहा

17. These are the important narrative works in Prakrit literature :

प्राकृतसाहित्य के प्रमुख प्राकृतकथा ग्रंथ ये हैं –

(A) निर्वाणकाण्ड, गोम्मटसार, नियमसार

(B) प्रवचनसार, रयणसार, मूलाचार

(C) वसुदेवहिण्डी, समराइच्चकहा, कथाकोषप्रकरण

(D) धर्मरसायण, वज्जालग्ग, अष्टपाहुड

18. This is the Prakrit work of Sumatisūri :

यह प्राकृत रचना सुमतिसूरि की है –

(A) जिनदत्ताख्यान

(B) रयणसेहरनिवहकथा

(C) सिरिसिरिवालकहा

(D) महीवालकथा

19. Read the Unit-I and II for correct match :

प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों के सही मिलान के लिए पढ़िए –

इकाई - I		**इकाई - II**
(a) देवभद्रसूरि	(i)	रयणसेहरनिवकहा
(b) रत्नशेखरसूरि	(ii)	महिवालकहा
(c) वीरदेवगणि	(iii)	कहारयणकोष
(d) जिनहर्षसूरि	(iv)	सिरिसिरिवालकहा

Write the correct answer :

सही उत्तर लिखिए :

(A) (d) + (iv) (B) (c) + (i)

(C) (b) + (ii) (D) (a) + (iii)

20. The number of stories in Kahārayana koṣa is :

कहारयणकोष में कथाओं की संख्या है –

(A) 40 (चालीस) (B) 50 (पचास)

(C) 60 (साठ) (D) 70 (सत्तर)

21. 'Samaraiccakahā' belongs to this form of Literature :

'समराइच्चकहा' इस विधा की रचना है –

(A) धर्मकथा (B) व्यंग्यकथा

(C) दर्शन (D) कोश

22. The writer of Kumarpāla carita is :

कुमारपाल चरित के रचयिता हैं –

(A) प्रवरसेन (B) हेमचन्द्र

(C) राजशेखर (D) देवसेन

23. The work of Vakpatirāja is :

वाक्पतिराज की रचना है –

(A) वज्जालग्ग

(B) गाहासत्तसई

(C) कंसवहो

(D) गउडवहो

24. These are the Saṭṭakas :

ये सभी सट्टक हैं –

(A) कर्पूरमंजरी, चंदलेहा, आनंदसुंदरी

(B) गाहासत्तसई, चंदलेहा, वज्जालग्गं

(C) वज्जालग्गं, आनंदसुंदरी, चंदलेहा

(D) गाहारयणकोस, कर्पूरमंजरी, चंदलेहा

25. The number of Javanikās in Karpūramañjari are :

कर्पूरमंज़री में इतनी जवनिकायें हैं –

(A) दो (B) चार

(C) आठ (D) पांच

26. Prominent work of the Prakrit Lexicon is :

प्राकृत शब्दकोश का प्रमुख ग्रन्थ है –

(A) कविदर्पण

(B) काव्यानुशासन

(C) रयणावली

(D) प्राकृतपैंगलं

27. The author of the Kavidarpaṇa is :

कविदर्पण के लेखक हैं –

(A) अज्ञात (B) मार्कण्डेय

(C) दण्डी (D) हेमचन्द्र

28. This statement is true :-

यह कथन सत्य है –

(A) प्राकृतभाषा में व्याकरण ग्रन्थ उपलब्ध है ।

(B) प्राकृतभाषा में विसर्ग का प्रयोग होता है ।

(C) कविदर्पण के लेखक हेमचन्द्र हैं ।

(D) प्राकृत भाषा में छन्द-ग्रन्थ लिखा गया है ।

29. The work of poet Dhanapāla is :

धनपाल कवि का ग्रन्थ है –

(A) पाइयलच्छीनाममाला

(B) देशीनाममाला

(C) अलंकारदप्पण

(D) प्राकृत पेंगलं

30. In Maharashtri Visarga in a-ending words become :

अकारान्त शब्दों के विसर्ग के स्थान पर महाराष्ट्री में यह आदेश होता है –

(A) ऊ (B) आ

(C) ओ (D) ए

31. **'**Manmathaḥ' becoming 'Vammaho' in Prakrit is an example of –

'मन्मथः' शब्द का प्राकृत रूप 'वम्महो' इसका उदाहरण है –

(A) विषमीकरण

(B) आदिस्वरलोप

(C) व्यञ्जनागम

(D) आदिव्यञ्जनलोप

32. These numbers occur in declension and conjugation ?

शब्दरूप तथा धातुरूप में वचन इतने प्रकार के होते हैं ?

(A) तीन (B) एक

(C) दो (D) इनमें से कोई नहीं

33. Example of Progressive Assimilation is :

पुरोगामी समीकरण का उदाहरण है –

(A) वक्कलं (B) विप्पो

(C) आइरिओ (D) अज्ज

34. This is the example of metathesis –

वर्ण-व्यत्यय का उदाहरण है –

(A) भणइ (B) भरहट्ठं

(C) सहावइ (D) नाड्यं

35. Final 'm' of a word turns into :

शब्द के अन्तिम 'म' कार यह होता है –

(A) स्वर (B) अन्त:स्थ वर्ण

(C) अनुस्वार (D) ज्ज

36. Characterstic of 'Dharma-dravya' is –

धर्मद्रव्य का लक्षण है –

(A) ठाणसहयारी

(B) गमण सहयारी

(C) विस्ससोड्ढगई

(D) वट्टणलक्खो

37. Kinds of Upayoga' are –

उपयोग के प्रकार ये हैं –

(A) दस (B) पाँच

(C) तीन (D) दो

38. According to Dravya Saṅgrah Kinds of gyāna are –

द्रव्यसंग्रह के अनुसार ज्ञान के प्रकार ये हैं –

(A) आठ (B) तीन

(C) चार (D) बारह

39. 'सम्मद्दंसण-णाणं चरणं मोक्खस्स कारणं'

The above part of gāthā is found in –

उपर्युक्त गद्यांश इस ग्रंथ में उपलब्ध है –

(A) प्रवचनसार

(B) द्रव्यसंग्रह

(C) उत्तराध्ययन

(D) आचारांग

40. 'समणे य णाणदंसणचरित्त तव वीरियायारे ।।'

The above part of gāthā is from –

उपर्युक्त गाथांश इस ग्रंथ से है –

(A) उत्तराध्ययन

(B) आचारांग

(C) द्रव्यसंग्रह

(D) प्रवचनसार

41. The subject matters of 'Sanmati-tarka-prakaran' is –

'सन्मतितर्कप्रकरण' की विषय-वस्तु यह है –

(A) द्रव्य विवरण

(B) श्रावकाचार-वर्णन

(C) पुराण-वर्णन

(D) अनेकांत-वर्णन

42. Rajashekhara is the author of

राजशेखर इस ग्रंथ का लेखक है –

(A) छंदमंजरी

(B) कर्पूरमंजरी

(C) रंभामंजरी

(D) आनंदसुंदरी

43. प्रवरसेन is the author of –

प्रवरसेन इस ग्रंथ का लेखक है

(A) लीलावई

(B) गाहासत्तसई

(C) सेतुबंध

(D) गउडवहो

44. विचलइ णेउरजुअलं छिज्जंति अ मेहला मणिक्खइआ ।

वलआ अ सुंदरअर रअणंकुर जाल पडिबद्धा ।।

The above gāthā is from –

उपर्युक्त गाथा इस ग्रंथ में है –

(A) सेतुबंध

(B) कुवलयमाला

(C) मृच्छकटिक

(D) कर्पूरमंजरी

45. Setubandha belongs this form of Prakrit literature –

'सेतुबंध' प्राकृत साहित्य में इस विधा का ग्रंथ है –

(A) चंपू-काव्य

(B) चरितकाव्य

(C) खण्डकाव्य

(D) महाकाव्य

46. These are the works of Kunda-Kundāchāryas :

कुंदकुंदाचार्य के द्वारा लिखित ये रचनायें हैं –

(A) समराइच्चकहा, बारसाणुवेक्ख, मूलाचार

(B) कुवलयमाला, कार्तिकेयानुप्रेक्षा, समयसार

(C) समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय

(D) णायकुमारचरिउ, भगवतीआराधना, षड्दर्शनसमुच्चय

47. Read the units I and II for the correct match :

प्रथम और द्वितीय खण्डों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

I	**II**
(a) चंदलेहा	(i) घनश्याम
(b) आनंदसुंदरी	(ii) नयचंद्र
(c) श्रृंगारमंजरी	(iii) विश्वेश्वर
(d) रंभामंजरी	(iv) रुद्रदास

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

48. The language of Śakāra is the Subdialect of –

शकार की भाषा इसकी उपबोली है –

(A) शौरसेनी (B) मागधी

(C) पैशाची (D) अर्धमागधी

49. The dialogue of the female character in drama is –

नाटकों में महिलापात्रों की भाषा यह है –

(A) गान्धारी (B) आमीरी

(C) मागधी (D) शौरसेनी

50. The Prakrit used in this Sentence 'Bhaddaṃ bhodu sarassadie' is –

'भद्दं भोदु सरस्सदीए' इस वाक्य में इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है –

(A) शौरसेनी (B) माहाराष्ट्री

(C) पैशाची (D) अपभ्रंश

Space For Rough Work